आडवाणी द्वारा 'अणुव्रत' के आर्थिक शुचिता विशेषांक का लोकार्पण

नैतिकता की उपेक्षा का ही परिणाम है गैंग रेप : आडवाणी

नई दिल्ली, २४ दिसम्बर २०१२।

भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेता एवं पूर्व उपप्रधानमंत्री श्री लालकृष्ण आडवाणी ने राष्ट्र के लिए अनुशासन, नैतिकता तथा सामाजिक संवेदनशीलता को सबसे जरूरी बताते हुए कहा कि कोई भी राष्ट्र चाहे किसी भी क्षेत्र में कितनी भी प्रगति क्यों न कर ले वह इन मूल्यों के बिना सही मायने में उन्नति नहीं कर सकता। इन मूल्यों की उपेक्षा का ही परिणाम है कि गैंग रेप जैसी घटनाएं। ऐसी घटनाएं देश के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है। अणुव्रत आंदोलन नैतिकता की प्रतिष्ठापना का महान आंदोलन है। जितनी मात्रा में समाज इसके श्रेष्ठ आदर्शों को अपनायेगा, उतना ही भारत महान होगा।

श्री आडवाणी ने अपने निवास पर अणुव्रत महासमिति द्वारा प्रकाशित अणुव्रत पाक्षिक के 'आर्थिक शुचिता विशेषांक' का लोकार्पण करते हुए उक्त उद्‌गार व्यक्त किए। अणुव्रत महासमिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री बाबूलाल गोलछा के नेतृत्व में अणुव्रत के संपादक श्री महेन्द्र जैन, समृद्ध सुखी परिवार के संपादक श्री ललित गर्ग, अणुव्रत महासमिति के महामंत्री श्री संपत सामसुखा, प्रो. धर्मचंद जैन, श्री शांतिलाल पटावरी एवं पूर्वांचल के श्री हंसराज बेताला आदि ने श्री आडवाणी के साथ सामयिक विषयों पर चर्चा की। श्री आडवाणी ने दिल्ली में घटित छात्रा के दुष्कर्म की घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि इन विरोधों एवं रैलियों से एक वातावरण तो बनता है किन्तु मुख्य प्रश्न है इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। भारत जैसे देश में कई समस्याएं हैं, संविधान और कानून से अधिकार प्राप्त सरकार को असरदार तरीके से देश को चलाना चाहिए।

आचार्य श्री तुलसी, आचार्य श्री महाप्रज्ञ एवं वर्तमान आचार्य श्री महाश्रमण द्वारा देश के नैतिक एवं चारित्रिक उन्नयन के लिए किये गये प्रयत्नों की चर्चा करते हुए कहा कि हमारे यहां जीवन में सादगी, मितव्यतता और संयम आदि पर साधु-संतों द्वारा विशेष रूप से बल दिया जाता है किन्तु उपभोग, प्रदर्शन और आडम्बरपूर्ण खर्चे बढ़ रहे हैं, जो अर्थतंत्र की विकृति के प्रभाव हैं। आचार्य महाश्रमणजी जैसे संतों को शादी-विवाह में सादगी, मितव्ययिता, कम खर्च आदि का उपदेश देना चाहिए। इस दृष्टि से उन्होंने आर्थिक शुचिता विशेषांक को उपयोगी बताया।

अणुव्रत महासमिति के अध्यक्ष बाबूलाल गोलछा ने दिल्ली में छात्रा के साथ घटित दुष्कर्म के विरुद्ध एवं महिलाओं की सम्मान के लिए निकाली गई अणुव्रत रैली की चर्चा करते हुए कहा कि अणुव्रत आंदोलन प्रारंभ से ही नैतिक मूल्यों पर बल देता रहा है। नैतिक एवं चारित्रिक मूल्यों के अवमूल्यन से ही इस तरह की घटनाएं घटित होती हैं। श्री महेन्द्र जैन एवं श्री संपत सामसुखा ने अणुव्रत कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी। श्री ललित गर्ग ने आचार्य श्री तुलसी जन्म शताब्दी समारोह से अवगत कराते हुए बताया कि वर्ष-2014 में आयोज्य इस राष्ट्रीय समारोह के लिए आचार्य श्री महाश्रमण अपना चातुर्मास दिल्ली में करेंगे।

प्रेषक:

(ललित गर्ग)
प्रचार मंत्री, अणुव्रत महासमिति
210, दीनदयाल उपाध्याय मार्ग
नई दिल्ली-110002
मो. 9811051133

फोटो परिचय:

(1) भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेता श्री लालकृष्ण आडवाणी अणुव्रत पाक्षिक के आर्थिक शुचिता विशेषांक का लोकार्पण करते हुए। साथ में हैं- अणुव्रत महासमिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री बाबूलाल गोलछा, अणुव्रत के संपादक श्री महेन्द्र जैन, समृद्ध सुखी परिवार के संपादक श्री ललित गर्ग, अणुव्रत महासमिति के महामंत्री श्री संपत सामसुखा, प्रो. धर्मचंद जैन, श्री शांतिलाल पटावरी एवं पूर्वांचल के श्री हंसराज बेताला।

(2) भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेता श्री लालकृष्ण आडवाणी से चर्चा करते हुए अणुव्रत प्रतिनिधि मंडल।